दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 25.09.2023

प्रकाशनार्थ

दिनांक 25.09.2023 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा पं दीनदयाल उपाध्याय के जयंती के अवसर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में **प्रो. गोपाल प्रसाद, आचार्य राजनीति विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने 'पं. दीनदयाल उपाध्याय का विचार दर्शन'** विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीनदयाल जी की दृष्टि में अन्त्योदय का आशय विकास की पंक्ति में खड़े सबसे अन्तिम व्यक्ति का उत्थान करना है। इसी संकल्प के साथ भारत सरकार कार्य कर रही है और 2014 से दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस पर अन्त्योदय दिवस के रूप में प्रत्येक वर्ष मना रही है। उन्होंने उनके एकात्म मानव दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दर्शन व्यक्ति में शरीर मन बुद्धि और आत्मा के संगठित रूप को देखता है। जो भारतीय संस्कृति के चार पुरूषार्थों धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष से सम्बन्धित है। उन्होंने आगे कहा कि पूंजीवादी और साम्यवादी विचारधाराएं केवल शरीर की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति करती है जबकि एकात्मक मानववाद मानव की सम्पूर्ण मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय के अर्थायाम पर चर्चा करते हुए कहा कि मनुष्य को केन्द्र में रखकर स्वदेशी आर्थिक मॉडल को विकसित करने की जरूरत है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अपने उद्बोधन में पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब दुनिया के लोग पूंजीवादी एवं साम्यवादी विचारधाराओं के अपनाने को विवश हो रहे थे। तब दीनदयाल उपाध्याय ने भारत के लिए एकात्म मानवाद दर्शन दिया, जिससे व्यष्टि और समष्टि दोनों का सकारात्मक विकास हो रहा है। उन्होंने ने दीनदयाल एकात्म मानववाद दर्शन को शंकराचार्य के वेदान्त दर्शन से जोड़ते हुए उसे व्यक्ति के समग्र विकास के लिए अनिवार्य बताया। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय के संकल्प व स्वप्न के अनुरूप वर्तमान सरकारों के नीति निर्माण एवं क्रियान्यवन की प्रशंसा की और कहा कि दीनदयाल जी की संगठनात्मक नेतृत्व व कुशलता के कारण भारतीय जनता पार्टी को वैचारिक आधार मिला है। आज उनकी विचारधाराओं से देश का समग्र विकास हो रहा है।

कार्यक्रम का संचालन एम.ए.तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. श्रेया चन्द ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. शैलेश कुमार सिंह किया एवं अतिथि परिचय विभाग के प्रभारी श्री इन्द्रेश पाण्डेय ने किया।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के **विभागीय शिक्षक डॉ. अखिल श्रीवास्तव, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. आर.पी. यादव सहित राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र–छात्राएं** उपस्थित रहे।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क